KJ-1412

M.A. (Previous)
Term End Examination, 2020

HINDI LITERATURE

Paper - II

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 100

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। अनर्गल एवं अवांछित तथा अशुद्ध लेखन पर अंक काटे जाएँगे। प्रत्येक उत्तर की समाप्ति पर समाप्ति सूचक चिह्न का प्रयोग अवश्य कीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) घटिय पंच दिन घट्यो।
उमरि आरब्ब पुंजषिरि॥
एक दिना दोउ सेन।
मोह छंडयो क्रम निक्करि॥

बान गंग पत्तयौ।
वीर ग्यारसि दिन सोमं॥
सूर धीर सामंत।
सूर उड्डे रन रोमं॥
क्रत काम काज साई विभ्रम।
दल दंतिय पंतिय पंतिय गमै॥
सामंत सूर साई विभ्रम।
रोम-रोम राजी भ्रमै॥

अथवा

बदन चाँद तोर नयन चकोर मोर रूप अमिय
रस पीवे।
अधर मधुर पुल पिया मधुकर तुल बिनु मधु
कत खन जीवे॥
माननि मन तो गढ़ल पसाने कके न रभसे
हसि किहु न उतरि देसि।
सुखे जाओ निसि अवसाने परमुखो न सुनसि
निऊ मने न गुनसि॥
न बुझसि लड़लरी वानी अपन अपन काज
कहइत अधिक लाज।
अरथित आदर हानी कविमन विद्यापति अरे रे
सुनू जुवति॥
नहे नूतन भेले माने लखिमा देईपति सिवसिंध
नरपति रूपनारायन जाने॥

(ख) संतौ भाई आई ग्यान की आँधी रे।

भ्रम की टाटी सबै उड़ाणीं, माया रहै न बाँधी रे॥

हित चित को दोई थूंनि गिरांनी मोह बलिंडा तूटा।

त्रिस्नां छानि पर घर उपरि, कुबुधि का भांडा फूटा॥

अथवा

जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहैं।

यह व्योपर तिहारो ऊधो ऐसोई फिरि जैहैं।

जाकै लै आए हौ मधुकर ताके उर न समहैं॥

दाख छाँड़ि कै कटुक निबौरी को अपने भुख खैहैं ?

मूरी के पातन के कैना को मुक्ताहल दैहैं।

सूरदास प्रभु गुनहिं छाँड़ि कै को निर्गुन बैहैं ?

(ग) निर्मल मन जन सो मोहि पावा।
मोहि कपट छल छिद्रन भावा॥
भेद लने पठवा दस सीसा।
तबहुँ न कछु भय हानि कपीसा॥
बहुरि राम छविधाम बिलोकी।
रहेउ ठटुकि एकटक पल रोकी॥
भुज प्रलंब के जारून लोचन।
स्यामल गात प्रनत भय मोचन॥

अथवा

कहा भयौ जो बीछुरै मो मनु तो मन साथ।
उड़ी जाय कितहू गूड़ी, तरू उड़ायक हाथ॥
कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेश लजात।
कहिहै कस तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात॥
पत्रा ही तिथि पाइयौ, वा घर के चहुँ पास।
नितप्रति पुन्योई रहै, आनन-ओप उजास॥

2. 'शशिवृता विवाह खण्ड' की कथावस्तु संक्षेप में लिखते हुए कथा-प्रवाह, वस्तुविधान की दृष्टि से सम्यक् समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

"विद्यापति सौंदर्य के पुजारी अधिक, आराध्य के भक्त कम लगते हैं।" इस कथन को सिद्ध कीजिए।

3. "कबीर का काव्य उनकी अनुभूति का सच्चा दर्पण है।" विवेचना कीजिए। 15

अथवा

मुक्तक काव्य परम्परा में बिहारी के प्रदेय का मूल्यांकन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 4×5

(क) रहीम के नीतिपरक दोहे

(ख) देव का श्रृंगार वर्णन

(ग) रसखान का काव्य

(घ) कबीर का रहस्यवाद

(ङ) रासो काव्य परम्परा

(च) दादू की गुरु भक्ति

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) 'पद्‌मावत' के रचयिता का नाम लिखिए।

(ख) रसखान कवि किसके भक्त थे?

(ग) कबीर किस शताब्दी के कवि हैं?

(घ) 'बिहारी सतसई' में किस रस की प्रधानता है?

(ङ) रसहीन, हृदयहीन कवि की उपमा किस कवि को दी गई है?

(च) 'सुजान' किस कवि की नायिका है?

(छ) लोकमंगल का कवि किसे माना जाता है?

(ज) 'वाणी का डिक्टेटर' किस कवि को माना जाता है?

(झ) पृथ्वीराज रासो में कितने सर्ग हैं?

(ञ) 'गुरु के महत्व' पर किस कवि ने बल दिया है?

(ट) बिहारी कवि का जन्म मध्यप्रदेश के किस शहर में हुआ था?

(ठ) 'राधा विनोद' के रचयिता का क्या नाम है?

(ड) 'गागर में सागर' भरने की क्षमता किस कवि में है?